SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

आर्थिक विकास की समझ

अध्याय - 4

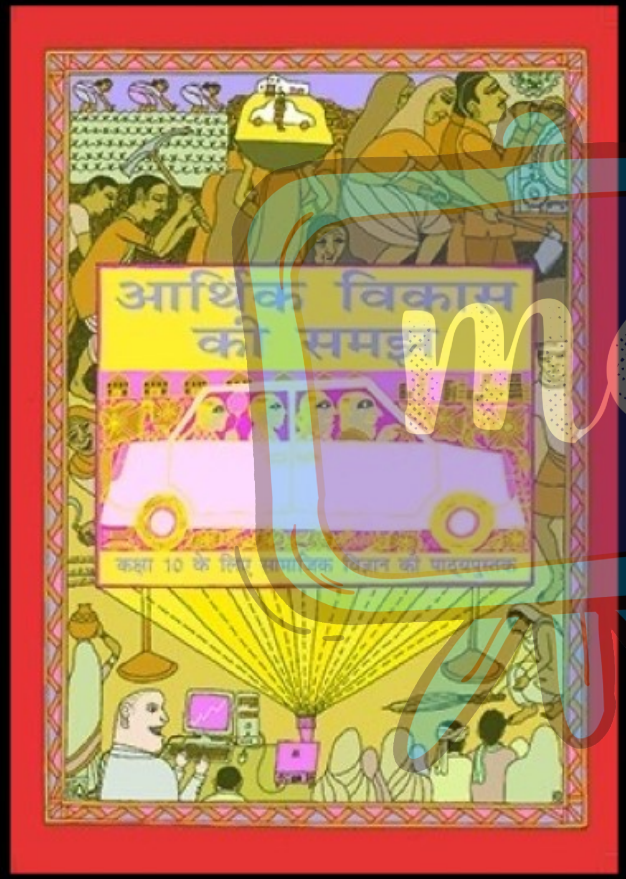
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

Part – 1

पंकज वैष्णव

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय सामग्री

आमुख iii
शिक्षक हेतु कुछ परिचयात्मक बातें v

अध्याय 1
विकास 2

अध्याय 2
भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक 18

अध्याय 3
मुद्रा और साख 38

अध्याय 4
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था 54

अध्याय 5
उपभोक्ता अधिकार 74

परिशिष्ट 90
सुझावात्मक पाठ 92

© NCERT not to be republished

Rationalised 2023-24

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



नैरक्षीकरण

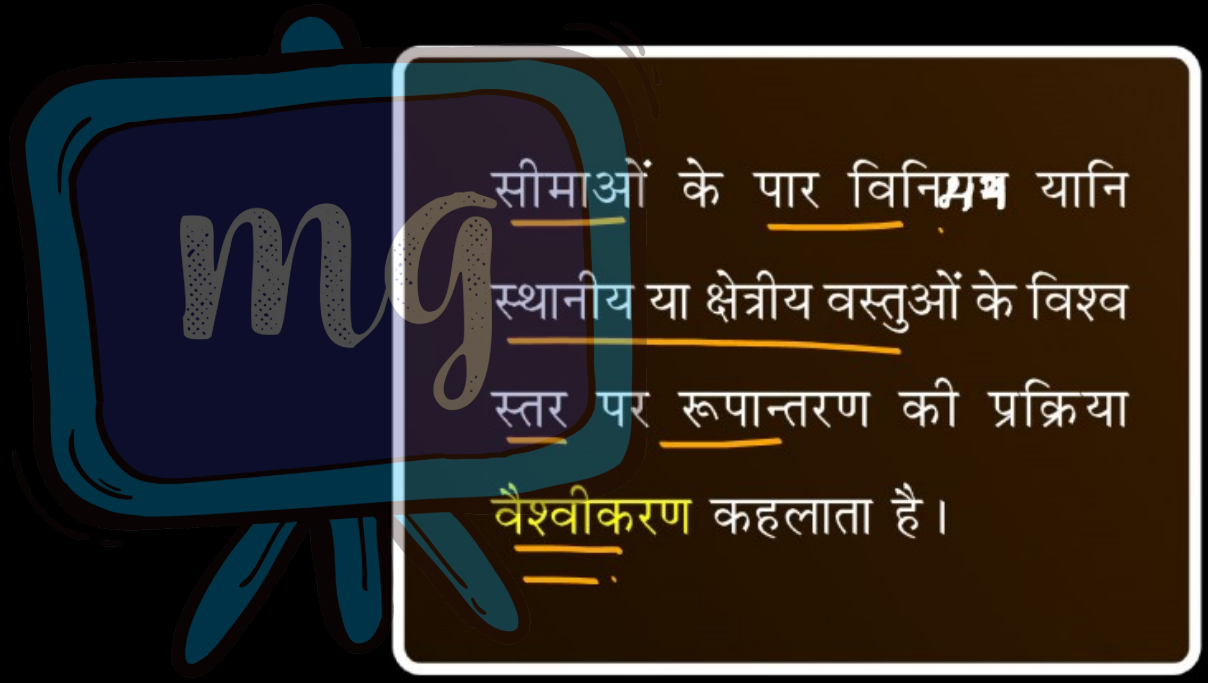
↓

विरल

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

1800-1900

100

1900-2000

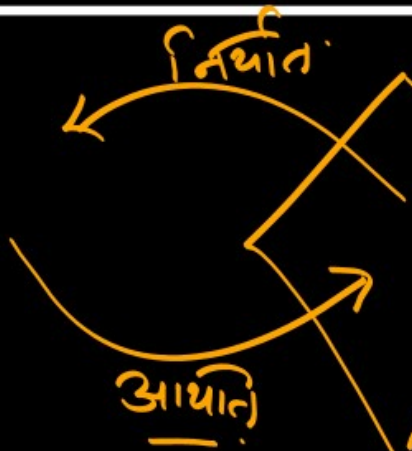
अन्तरदेशीय उत्पादन

- बीसवी शताब्दी के मध्य तक उत्पादन मुख्यत: देशों की सीमाओं के अंदर ही सीमित था।
- इन देशों की सीमाओं को लांघने वाली वस्तुओं में केवल कच्चा माल, खाद्य पदार्थ और तैयार उत्पाद ही थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था





- भारत जैसे उपनिवेशों से कच्चा माल एवं खाद्य पदार्थ निर्यात होते थे और तैयार वस्तुओं का आयात होता था।
- व्यापार ही दूरस्थ देशों को आपस में जोड़ने का मुख्य जरिया था।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

बहुराष्ट्रीय कंपनी

- एक बहुराष्ट्रीय कंपनी वह है, जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती है।
- बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ उन प्रदेशों में कार्यालय तथा उत्पादन के लिए कारखाने स्थापित करती हैं, जहाँ उन्हें सस्ता श्रम एवं अन्य संसाधन मिल सकते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

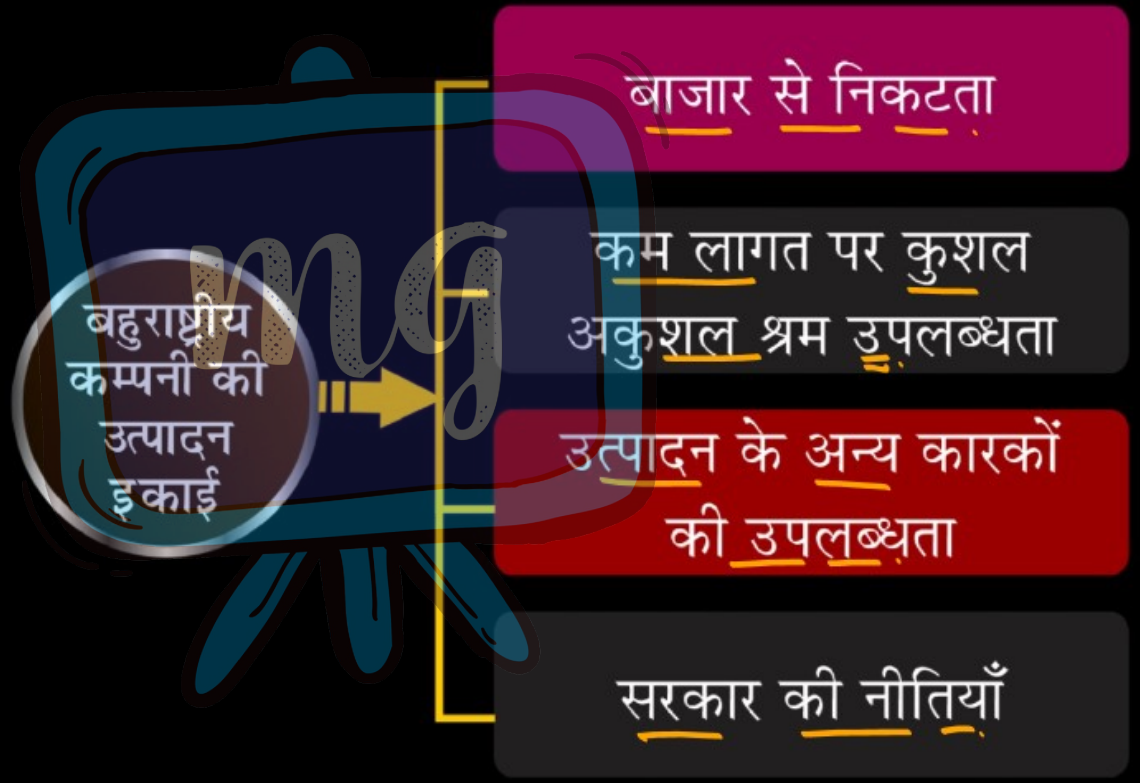
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

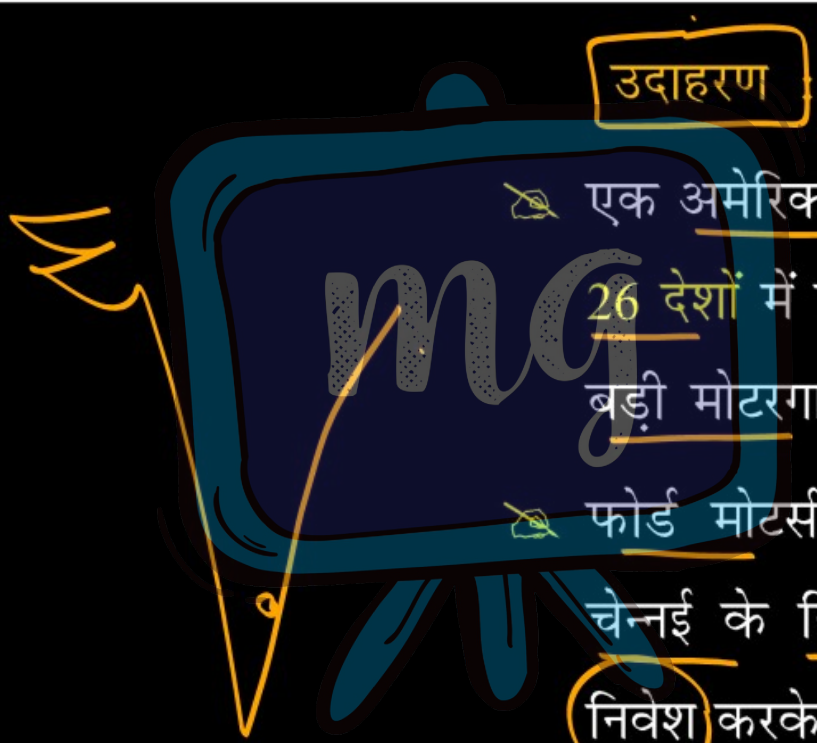


वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

निवेश

- परिसंपत्तियों जैसे – भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते हैं।
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहते हैं। कोई भी निवेश इस आशा से किया जाता है कि ये परिसंपत्तियाँ लाभ अर्जित करेंगी।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



उदाहरण

- एक अमेरिकी कंपनी फोर्ड मोटर्स विश्व के 26 देशों में प्रसार के साथ विश्व की सबसे बड़ी मोटरगाड़ी निर्माता कंपनी है।
- फोर्ड मोटर्स 1995 में भारत आयी और चेन्नई के निकट 1,700 करोड़ रुपए का निवेश करके एक विशाल संयंत्र की स्थापना की।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- यह संयंत्र भारत में जीपों एवं ट्रकों के प्रमुख निर्माता महिन्द्रा एंड महिन्द्रा के सहयोग से स्थापित किया गया।
- वर्ष 2017 तक फोर्ड मोटर्स भारतीय बाज़ारों में 88,000 कारें बेच रही थी, जबकि 1,81,000 कारों का निर्यात भी भारत से दक्षिण अफ्रीका, मेक्सिको, ब्राज़ील और संयुक्त राज्य अमेरिका किया गया।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- विदेश व्यापार घरेलू बाज़ारों अर्थात् अपने देश के बाज़ारों से बाहर के बाज़ारों में पहुँचने के लिए उत्पादकों को एक अवसर प्रदान करता है।
- उत्पादक केवल अपने देश के बाज़ारों में ही अपने उत्पाद नहीं बेच सकते हैं, बल्कि विश्व के अन्य देशों के बाज़ारों में भी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- चीन के विनिर्माताओं को भारत में खिलौने निर्यात करने को एक अवसर का पता चलता है, जहाँ खिलौने अधिक मूल्य पर बेचे जा रहे हैं।
- वे भारत को खिलौने निर्यात करना आरम्भ करते हैं।
- अब भारत में खरीददारों के पास भारतीय और चीनी खिलौनों के बीच चयन करने का विकल्प है।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- सस्ते दाम एवं नवीन डिजाइनों के कारण चीनी खिलौने भारतीय बाज़ारों में अधिक लोकप्रिय हैं।
- एक वर्ष में ही खिलौने की 70–80 प्रतिशत दुकानों में भारतीय खिलौनों का स्थान चीनी खिलौनों ने ले लिया है।
- अब भारत के बाज़ारों में खिलौने पहले की तुलना में सस्ते हैं।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- इससे चीन के खिलौना निर्माताओं को अपना व्यवसाय फैलाने के लिए एक अवसर प्राप्त होता है।
- इसके विपरीत, भारतीय खिलौना निर्माताओं को हानि होती है, क्योंकि उनके खिलौने कम बिकते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



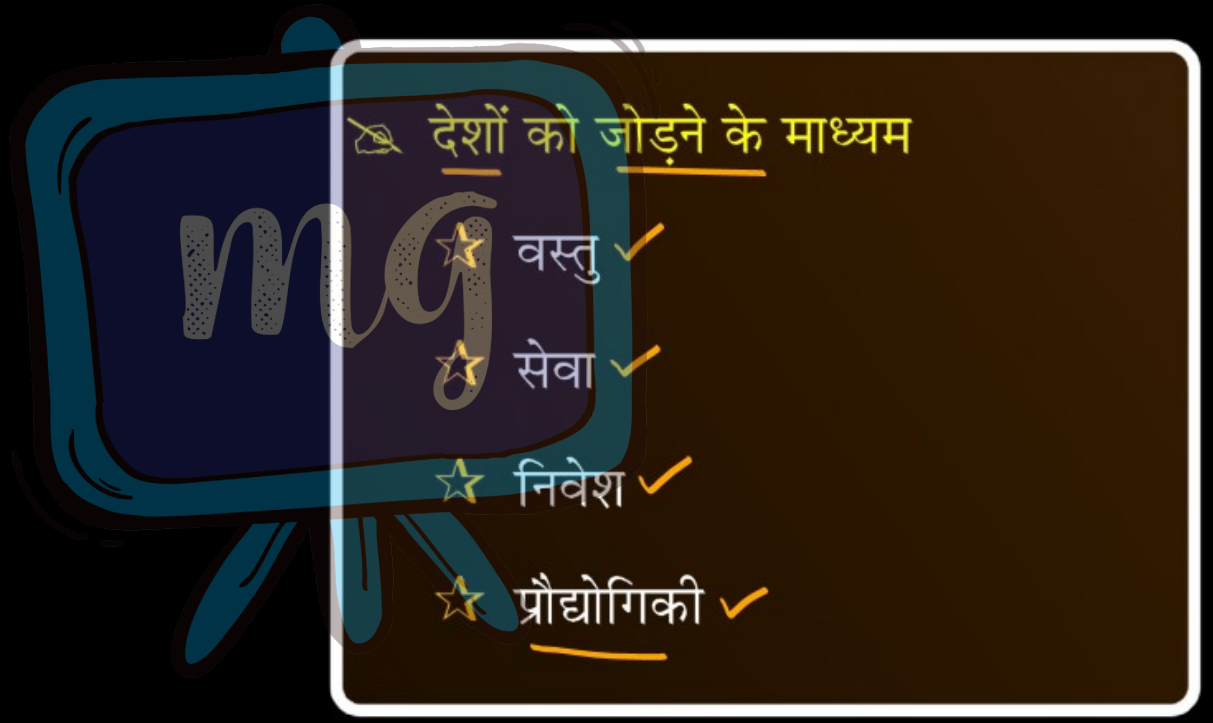
SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। विभिन्न देशों के बीच अधिक से अधिक वस्तुओं और सेवाओं, निवेश और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान हो रहा है।

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- विभिन्न देशों के बीच लोगों का आवागमन।
- प्राय: लोग बेहतर आय, बेहतर रोज़गार एवं शिक्षा की तलाश में एक देश से दूसरे देश में आवागमन करते है।



वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- विभिन्न देशों को निम्नलिखित तरीकों से जोड़ा जा सकता है–
  - ☆ विभिन्न राष्ट्रों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का संचलन।
  - ☆ सीमाओं के पार लोगों की आवाजाही।
  - ☆ राष्ट्रों के बीच पूंजी का मुक्त प्रवाह।

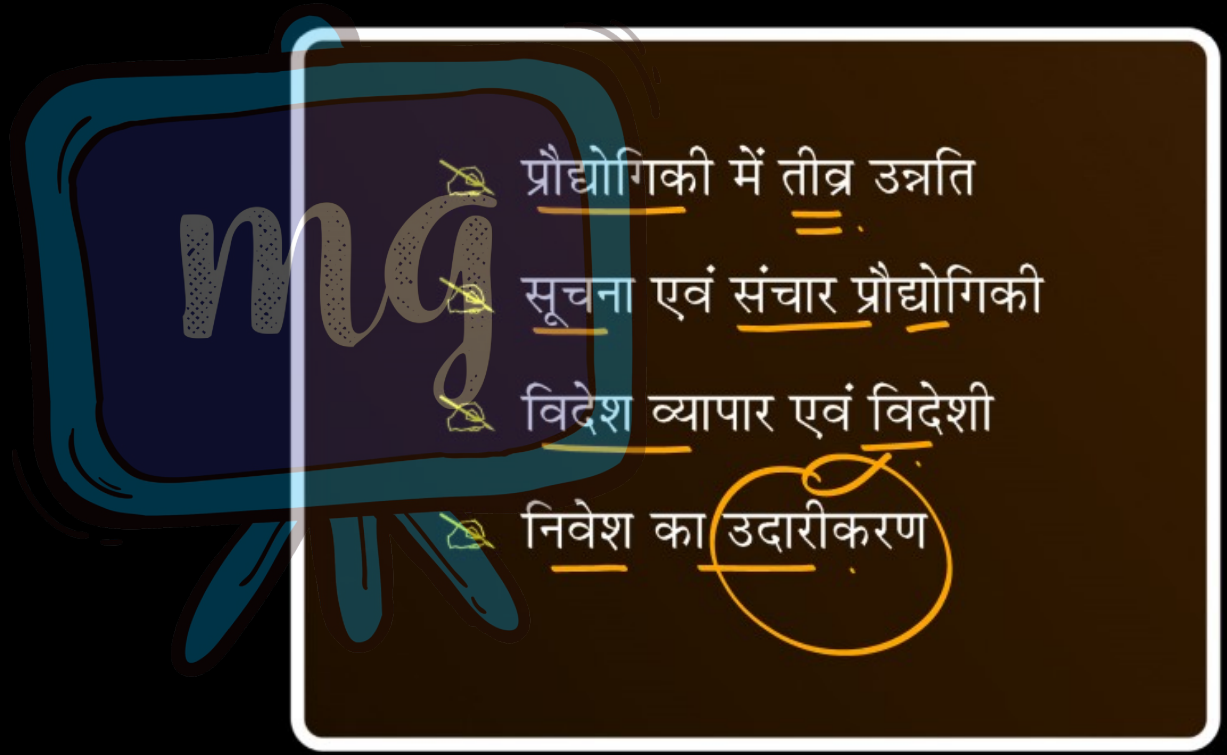
SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

वस्तुओं के परिवहन के लिए कंटेनर

- वस्तुओं को कंटेनरों में रखा गया है, जिससे इन्हें जहाज़ों, रेलों, वायुयानों एवं ट्रकों पर बिना क्षति के लादा जा सके। कंटेनरों से ढुलाई-लागत में भारी बचत हुई है और माल को बाज़ारों तक पहुँचाने की गति में वृद्धि हुई है। इसी प्रकार, वायु यातायात की लागत में गिरावट आयी है। परिणामतः वायुमार्ग से अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में वस्तुओं का परिवहन संभव हुआ है।



वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

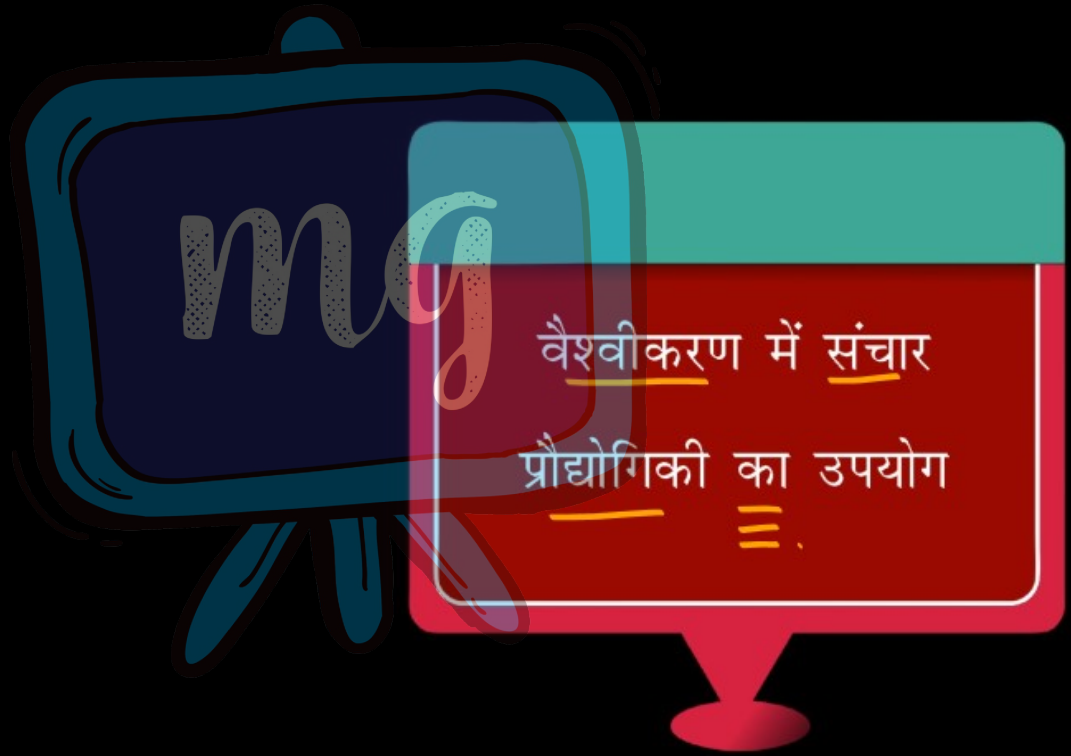
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- वर्तमान समय में दूरसंचार, कंप्यूटर और इंटरनेट के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी द्रुत गति से परिवर्तित हो रही है।
- दूरसंचार सुविधाओं (टेलीग्राफ, टेलीफोन, मोबाइल फोन एवं फैक्स) का विश्व भर में एक-दूसरे से सम्पर्क करने, सूचनाओं को तत्काल प्राप्त करने और दूरवर्ती क्षेत्रों से संवाद करने में प्रयोग किया जाता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी वैश्वीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। दूरसंचार, कंप्यूटर, इंटरनेट, ई-मेल, वॉइस मेल आदि का दुनिया भर में एक-दूसरे से सूचनाओं को तुरंत जोड़ने और दूरस्थ क्षेत्रों से संचार करने के लिए गहनता से उपयोग किया जाता है। सूचना और प्रौद्योगिकी के बिना वैश्वीकरण की प्रक्रिया जटिल हो जाती है।